ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
गोविंद बल्लभ पंत कृषि और प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
उधम सिंह नगर, पंतनगर, उत्तराखंड

मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 16-12-2022

नैनीताल(उत्तराखंड) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2022-12-16 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2022-12-17	2022-12-18	2022-12-19	2022-12-20	2022-12-21
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	0.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	18.0	18.0	18.0	17.0	17.0
न्यूनतम तापमान(से.)	6.0	7.0	7.0	6.0	6.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	50	50	55	55	60
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	30	30	30	30	30
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	6.0	6.0	6.0	6.0	6.0
पवन दिशा (डिग्री)	320	330	320	330	330
क्लाउड कवर (ओक्टा)	0	0	0	0	1

मौसम सारांश / चेतावनी:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। अधिकतम एवम् न्यूनतम तापमान क्रमश: 17.0-18.0 व 6.0-7.0 से डिग्री सेल्सियस रहेगा| हवा के 6.0 किमी/घंटे की गति से उत्तर-पश्चिम व उत्तर-उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने का अनुमान है। ईआरएफएस के अनुसार, 21 से 27 दिसम्बर के दौरान राज्य में वर्षा सामान्य से कम, अधिकतम व न्यूनतम तापमान सामान्य रहने का अनुमान हैं।

सामान्य सलाहकार:

आईएमडी मौसम पूर्वानुमान और आपके स्थान की कृषि मौसम संबंधी सलाह अब मेघदूत मोबाइल ऐप पर अंग्रेजी और क्षेत्रीय भाषाओं में उपलब्ध है। कृपया निम्न लिंक से डाउनलोड करें: एंड्रॉ यड: https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot आईओएस: https://apps.apple.com/in/app/meghdoot/id1474048155 दलहनी फसलों में खरपतवार नियंत्रण हेतु अगर मजदूर उपलब्ध हों तो पहली निराई, बुवाई के 20-25 दिन बाद और दूसरी 35-40 दिन बाद करें।

लघु संदेश सलाहकार:

आगामी पांच दिनों में, मौसम साफ रहेगा। पाला/कोहरा पड़ने की स्थिति में समय-समय पर सिंचाई करें।

फ़सल विशिष्ट सलाह:

फ़सल	फ़सल विशिष्ट सलाह
गेहूँ	भावर क्षेत्र में गेहूँ की विलम्ब से बुवाई 25 दिसम्बर तक करे। देर में बोई जाने वाली प्रजातियॉ यू0पी0 2425 यू0पी 2328, पी0बी0डब्लू 373, यू0पी0 2526, यू0पी0 2565 की बुवाई करे। चैड़ी पत्ति एवं घास वर्ग के खरपतवार के नियंत्रण हेतु वेस्टा की 400 ग्रा0 मात्रा का 700 ली0 पानी मे घोल बनाकर 1 हेक्टेयर में बुवाई के 30-35 दिन बाद छिड़काव करे। टोटल (या सल्फोसल्फोरॉन एवं मेटसल्फयूरॉन मिथाईल) 40 ग्रा0 मात्रा को 700 ली0 पानी में घोलकर बनाकर 25-30 दिन बाद/हेक्टेयर में छिड़काव करे।
जौ	फसल में आवश्यकतानुसार निराई कर खरपतवार निकाल लें। सिंचित फसल में बुवाई के 20-25 दिन पर सिंचाई कर नत्रजन की संतुत मात्रा में टॉप ड्रेसिंग करें।
सरसों	सरसों में पत्ती धब्बा रोग के नियत्रंण हेतु मैन्कोजेब का 2.5 ग्रा0 प्रति ली0 पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करे। घाटियों व निचले पर्वतीय क्षेत्रों में समय पर बोई गई फसल में दाना भरते समय हल्की सिंचाई करें।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
गोभी	फूलगोभी में निराई-गुड़ाई के समय यूरिया की टॉप ड्रेसिंग करें।
सेम की फली	सिंचित घाटी क्षेत्रो में यदि सब्जी फ्रासबीन की बुवाई दो माह पूर्व की गई हो तो तैयार फलियो की तुड़ाई करें।
आलू	घाटी क्षेत्रो में पूर्व में बोये गये आलू की फसल में पाले के बचाव हेतु समय-समय पर सिंचाई करते रहे। आलू में पछेती झुलसा रोग हेतु मौसम अनुकूल है। अतः किसान भाईयो को सलाह दी जाती है कि मैनकोजेब 2.5 ग्रा0/ली0 दर से छिड़काव करें।
पालक	सिंचित घाटी क्षेत्रों में मेथी, पालक तथा हरे पत्ते एवं मसाले के लिए धनियां की फसल में सिंचाई कर समय-समय पर गुड़ाई करे।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
गाय	ठंड में पशुओं के आहार में तेल और गुड़ की मात्रा बढ़ा दें। अधिक ठंड की स्थिति में पशुओं को अजवाइन और गुड़ दें। पशुओं को धान की कन्नी आहार के रूप में दें। जिससें उन्हें उर्जा और गर्मी मिलती है। पशुओं को ठंड से बचाव हेतु सूखी घास, पुवाल जो जानवरों के खाने के उपयोग में नहीं आती को बिछावन के रूप में प्रयोग करें। खिड़की दरवाजों पर त्रिपाल लगा दें ताकि ठंडी हवा प्रवेश न करें। पशुओं को रिंडरपेस्ट रोग (शीतला रोग) से बचाने के लिए टीकाकरण करवाना चाहिए।